जालंधर, शुक्रवार 5 अप्रैल 2024
JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH
+91 97814 00247

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

सुविचार

जहां हम नहीं होते हैं वहां हमारे गुण व अवगुण हमारा प्रतिनिधित्व करते हैं

@vandebharat24 | vandebharat24news | @vandebharat24news | www.vandebharat24.com

दुनिया के सबसे बुज़ुर्ग शख्स की मौत

रोज पीते थे शराब, नहीं थी कोई गंभीर बीमारी

जालंधर(हर्षशर्मा) : अधिकारियों और रिश्तेदारों ने कहा कि गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा 2022 में दुनिया के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति के रूप में प्रमाणित एनेजुएलन जुआन विसेंट पेरेज़ मोरा का मंगलवार को 114 साल की उम्र में निधन हो गया।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'जुआन विसेंट पेरेज़ मोरा 114 साल की उम्र में अनंत काल में चले गए।' हालांकि उनके रिश्तेदारों ने ये भी बताया कि रोज शराब पीने के बाद भी उनको कोई गंभीर बीमारी नहीं थी।

वहीं गिनीज के अनुसार, पेरेज़ को आधिकारिक तौर पर 4 फरवरी, 2022 को सबसे उम्रदराज़ व्यक्ति के रूप में पुष्टि की गई थी, जब वह 112 वर्ष और 253 दिन के थे। 11 बच्चों के पिता, 2022 तक उनके 41 पोते, 18 परपोते और 12 परपोते थे।

टियो विसेंटे के नाम से जाने जाने वाले किसान का जन्म 27 मई, 1909 को तचिरा के एंडियन राज्य के एल कोबरे शहर में हुआ था और वह 10 बच्चों में नौवें थे।

2022 के गिनीज बयान में कहा गया है, 'पांच साल की उम्र में, उन्होंने अपने पिता और भाइयों के साथ खेती में काम करना शुरू कर दिया और गन्ने और कॉफी की कटाई में सहायता की।' पेरेज़ आगे चलकर शेरिफ बन गए और कृषि कार्य करते हुए भी भूमि और पारिवारिक विवादों को सुलझाने के लिए जिम्मेदार थे। इससे पहले मारिया ब्रान्यास मोरेरा ने अपना 117वां जन्मदिन मनाया और इसके साथ ही उन्होंने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स (जीडब्ल्यूआर) की सूची में अपना नाम शामिल कर लिया। 1907 में जन्मी, वह अब दुनिया की सबसे उम्रदराज़ जीवित व्यक्ति हैं, जो प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध, स्पैनिश फ्लू महामारी और COVID-19 महामारी से बची हुई हैं। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इंस्टाग्राम पर मारिया ब्रान्यास मोरेरा के लिए जन्मदिन की शुभकामनाएं साझा करते हुए लिखा, मारिया ब्रान्यास मोरेरा को जन्मदिन की शुभकामनाएं जो आज अपना 117वां जन्मदिन मना रही हैं।

उन्हें जनवरी 2023 में दुनिया की सबसे उम्रदराज़ व्यक्ति के रूप में सत्यापित किया गया था। मारिया का जन्म 4 मार्च 1907 को सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका में हुआ था, लेकिन जब वह आठ साल की थीं, तब वे अपने परिवार के साथ स्पेन लौट आईं और कैटेलोनिया में बस गईं। वह तब से इसी क्षेत्र में रह रही है और पिछले 23 वर्षों से उसी नर्सिंग होम में रह रही है। पोस्ट के टिप्पणी अनुभाग में, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने कहा कि 118 वर्षीय ल्यूसिल रैंडन (फ्रांस) की मृत्यु के बाद, वह जनवरी 2023 में पृथ्वी पर सबसे उम्रदराज व्यक्ति बन गईं।

CM भगवंत मान जेल में केजरीवाल से मिल सकेंगे, तिहाड़ जेल प्रशासन ने दी अनुमति

जालंधर(जतिन चौहान) : पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को तिहाड़ जेल प्रशासन ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने की इजाजत दे दी है। तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने कहा है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान जेल में बंद दिल्ली के सीएम केजरीवाल से एक सामान्य व्यक्ति के तौर पर मुलाकात जंगला में ही मिल सकते हैं। भगवंत मान ने एक दिन पहले तिहाड़ जेल के अधिकारियों को पत्र लिखकर केजरीवाल से मिलने की अनुमति मांगी थी। 'मुलाकात जंगला' लोहे की एक जाली होती है जो जेल के अंदर एक कमरे में कैदी को मुलाकातियों से अलग करती है। विजिटर्स और कैदी जाली के एक-दूसरी ओर बैठकर एक दूसरे से बात कर सकते हैं।

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात
हमारे साथ जुड़ने के लिए व विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें।
मोब. 97814-00247
97804-00247
E-mail : info@vandebharat24.com

चन्नी की जालंधर में गतिविधियों को लेकर कांग्रेस में बगावत

जन्म दिन पर विधायक विक्रमजीत चौधरी का तीखा वार, कहा-जालंधर से चन्नी का क्या लेना देना

बकरी चोने वाले को जालंधर के लोग पसंद नहीं करेंगे

जालंधर(सूरभि शर्मा) : पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का मंगलवार को जन्म दिन था। चन्नी ने अपना जन्म दिन अपने इलाके चमकौर साहिब को छोड़ कर जालंधर में काटा। केक आदमपुर के विधायक सुखविंदर कोटली की अगुवाई में काटा गया और केक पर पूर्व मुख्यमंत्री की जगह यह लिखा गया था साडा चन्नी जालंधर। बस साडा चन्नी जालंधर लिखा जाना ही पार्टी के भीतर विवाद बन गया।

दरअसल जालंधर में कांग्रेस की विरासत पर राज करने वाले चौधरी परिवार को यह रास नहीं आया। 2014 व 2019 को जालंधर की सीट से चौधरी संतोख सिंह ने बड़ी जीत प्राप्त की थी और चौधरी संतोख सिंह की शहादत भी राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्र के दौरान पार्टी के प्रति नारेबाजी करते हुई थी। यही कारण था कि उपचुनाव की टिकट चौधरी संतोख सिंह की पाळी करमजीत कौर चौधरी को दी गई थी। मगर वह चुनाव हार गई थी। अब अचानक से पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने जालंधर में अपनी गतिविधियां बढ़ा दी हैं। ऐसा लगता है कि जैसे चन्नी को हाईकमान ने जालंधर सीट से

चुनाव लड़ने की हरी झंडी दे दी हो। पिछले कई दिनों से चन्नी ने जालंधर में डेरा डाला हुआ है और सभी सीनियर नेताओं से मीटिंग कर रहे हैं। मंगलवार को चरणजीत सिंह चन्नी का जन्म दिन था और जन्म दिन भी उन्होंने जालंधर में मनाया। इस मौके पर केक भी काटा गया और केक पर लिखा गया साडा चन्नी जालंधर।

बस यहीं से विवाद शुरू हो गया। कांग्रेस के विधायक व दिवंगत चौधरी संतोख सिंह के बेटे विक्रमजीत सिंह चौधरी ने कहा कि चन्नी का जालंधर और दोआबा से क्या नाता। उन्हें अपने हलके चमकौर साहिब में जोर लगाना चाहिए। विक्रमजीत चौधरी का कहना है कि पिछले कई दशकों से उनका परिवार कांग्रेस का सच्च सिपाही रहा है और उनके पिता ने अंतिम सांस भी कांग्रेस के झंडे के नीचे ली थी। ऐसे में विश्वास है कि हाईकमान एक बार फिर से उनके परिवार को आशीर्वाद देगा। मगर चरणजीत सिंह चन्नी जानबूझ कर जालंधर में गतिविधियां बढ़ाकर भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं। विक्रमजीत सिंह चौधरी ने तो यहां तक कह दिया कि अगर वह इतने ही बड़े दलित नेता होते तो बतौर मुख्यमंत्री चुनाव लड़ कर चमकौर साहिब से वह चुनाव न हारते। वह जिस तरह से बकरी चोने की बात करते हैं, टेंट लगाने की बात करते हैं, इसे जालंधर के लोग पसंद नहीं करेंगे। कुल मिलाकर कांग्रेस ने अभी तक चाहे पंजाब में एक भी सीट से प्रत्याशी का ऐलान नहीं किया है, मगर पंजाब की कांग्रेस की सियासत में बगावत का दौर शुरू हो गया है। कांग्रेस के नेता ही एक दूसरे की टांग खींचने में जुट गए हैं।

अब देखना होगा कि बगावत की यह जो आग धीरे धीरे सुलगने लगी है उस पर हाईकमान कैसे कंट्रोल कर पाता है। क्योंकि अगर हाईकमान ने इस बगावत को थामने का प्रयास नहीं किया तो विधानसभा चुनावों की तरह की पंजाब में कांग्रेस का लोकसभा चुनाव में भी हाल होगा।

HAKIM TILAK RAJ KAPOOR HOSPITAL PVT. LTD.
NEAR FOOTBALL CHOWK, JALANDHAR | Call/Whatsapp No. +91-95015-02525
आयुर्वेदिक एवं यूनानी दवाइयों तथा पंचकर्मा द्वारा हर बीमारी के सफल इलाज के लिए मिलें।
Dr. Nuvneet Kapoor
B.A.M.S., M.D (H.T.R.K.)
Ph.: 0181-5092525
Website : www.hakimtilakraj.in

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES
Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.
COURSES OFFERED
ANM 2 Years Diploma
GNM 3 Years Diploma
B.Sc (Nursing) 4 Years Degree
D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma
10+1 & 10+2 (P.S.E.B)
V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

देश के रिफॉर्म मैन मनमोहन सिंह की संसद में 33 साल लंबी पारी खत्म

जालंधर (सूरभि शर्मा) : पूर्व प्रधानमंत्री और दिग्गज अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह ने राज्यसभा से रिटायर होने के साथ ही अपने राजनीतिक जीवन को अलविदा कह दिया। अपने आर्थिक सुधारों की वजह से भारत के सुधार पुरुष कहे जाने वाले मनमोहन सिंह भले ही बिना किसी भव्य समारोह के अपने 33 साल के सार्वजनिक जीवन को विदा कह दी हो, लेकिन भारत को उदारीकरण की राह दिखाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री का अर्थशास्त्री से लेकर पीएम तक का सफर बेहद शानदार रहा।

उनके कार्यकाल में भारत ने कई उपलब्धियां हासिल कीं, हालांकि कई बार उनकी आलोचना भी हुई।

अपने मृदुभाषी और विनम्र स्वभाव के लिए जाने जाने वाले मनमोहन सिंह अक्तूबर 1991 में पहली बार राज्यसभा के सदस्य बने थे। इसके बाद वे लगातार छह बार उच्च सदन के सदस्य बने। वे कभी लोकसभा से नहीं आ सके। हालांकि 1999 में मनमोहन सिंह ने दक्षिण दिल्ली लोकसभा सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा जिसमें वे भाजपा के विजय कुमार मल्होत्रा से हार गए थे। ये उनके जीवन का पहला और आखिरी लोकसभा चुनाव था। एक अक्तूबर, 1991 से 14 जून, 2019 तक वे लगातार पांच बार असम से राज्यसभा सदस्य रहे। 2019 में दो महीने के अंतराल के बाद वे राजस्थान से फिर राज्यसभा आए। वे 1991 से 1996 तक नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री रहे। बाद में 2004 से 2014 तक देश के प्रधानमंत्री भी रहे थे।

इतना ही नहीं, 21 मार्च, 1998 से 21 मई, 2004 तक वे राज्यसभा में विपक्ष के नेता थे। इसके बाद जब वे 2004 और 2014 के बीच प्रधानमंत्री थे, तब भी वह सदन के नेता थे।

इतने पद पर रह चुके हैं मनमोहन सिंह : 26 सितंबर, 1932 को गाह गांव (पाकिस्तान का पंजाब प्रांत) में जन्मे सिंह ने क्रमश: 1952 और 1954 में पंजाब विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक और मास्टर डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने 1957 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अपना इकोनॉमिक ट्रिपोस पूरा किया। फिर 1962 में वो ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डी.फिल किया।

डॉक्टर सिंह विदेश व्यापार मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार और वित्त मंत्रालय के सचिव के रूप में कार्य किया। उन्होंने 1976 से 1980 तक भारतीय रिजर्व बैंक के निदेशक और फिर 1982 से 1985 तक गवर्नर के रूप में कार्य किया। वह योजना आयोग के उपाध्यक्ष और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

भी पफेट सीएम तो कभी मौनमोहन सिंह कहे गए : बतौर पीएम और बाद में भी मनमोहन सिंह अक्सर आलोचनाओं से घिरे रहे। कभी भाजपा द्वारा उन्हें भ्रष्टाचार से घिरी सरकार चलाने तो कभी पफेट पीएम कहा गया। वहीं भाजपा ने कई बार उन्हें मौनमोहन सिंह कहा। उनपर गांधी परिवार से ऑर्डर लेकर सरकार चलाने के आरोप भी लगे। बावजूद इसके प्रधानमंत्री पद से रिटायर होते समय मनमोहन सिंह ने कहा था, मुझे ईमानदारी से उम्मीद है कि इतिहास मेरी समीक्षा करते वक्त दयाभाव रखेगा।

जब बतौर वित्त मंत्री की आर्थिक सुधारों की शुरुआत : देश के लिए डॉक्टर मनमोहन सिंह का सबसे बड़ा योगदान वित्त मंत्री के रूप में आर्थिक सुधारों की शुरुआत करना है। वर्ष 1991 में भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संतुलन निराशाजनक घाटे में था। 1991 में इसका विदेशी कर्ज 35 बिलियन डॉलर से दोगुना होकर 69 बिलियन डॉलर हो गया था। भारत के पास पैसा और समय दोनों बहुत कम थे। तब हमारे चालू खाते के घाटे से निपटने के लिए एक आपातकालीन उपाय के रूप में, भारतीय रिज़र्व बैंक ने चालू खाते के घाटे को कम करने के लिए लगभग 400 मिलियन डॉलर जुटाने के लिए बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास अपनी सोने की हिस्सेदारी गिरवी रख दी।

इसके बाद भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधारों की एक श्रृंखला डॉक्टर सिंह ने शुरू की जिसे उन्होंने मानवीय चेहरे के साथ सुधार कहा। औद्योगिक नीति, 1991 की शुरुआत के साथ लाइसेंस राज को खत्म करने की प्रस्तावना लिखी गई। इस संकट से उबरने के लिए मनमोहन सिंह ने इस बजट में भारतीय बाजार को विदेशी कंपनियों के लिए खोल दिए।

इस कदम से सरकार को चंद महीनों में ही पहली सफलता मिली, जब दिसंबर 1991 में भारत सरकार विदेशों में गिरवी रखा सोना छुडवा कर आरबीआई को सौंपने में कामयाब रही। देश में ग्लोबलाइजेशन की शुरुआत 1991 में सिंह ने ही की थी। उन्होंने भारत को दुनिया के बाजार के लिए तो खोला ही, बल्कि निर्यात और आयात के नियमों को भी सरल बनाया। डॉक्टर मनमोहन सिंह ने भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़े पैमाने पर आर्थिक सुधारों की कवायद की और उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था की ओवरहॉलिंग में महत्वपूर्ण योगदान दिया है इससे कोई इंकार नहीं कर सकता।

बीते कुछ समय से स्वास्थ्य ठीक नहीं

बीते कुछ समय से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। उन्हें अक्सर व्हीलचेयर पर राज्यसभा की कार्यवाही में भाग लेते देखा जाता था। हाल ही में राज्यसभा में सेवानिवृत्त सदस्यों की विदाई के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा के सदस्य के रूप में मनमोहसिंह की भूमिका की सराहना की थी।

उन्होंने कहा था कि उनके योगदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा। पीएम मोदी ने यह भी कहा था कि कई बार यह देखा गया था कि वह व्हीलचेयर पर रहते हुए वोट देने आए और उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत बनाया।

पत्नी के जाने से रहता था परेशान, दातर से मां-भाभी और भतीजे को काट डाला, फिर किया आत्मसमर्पण

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : अमृतसर के देहात क्षेत्र के गांव झंडेर में बुधवार रात एक व्यक्ति ने दातर से हमला कर अपनी मां, भाभी और भतीजे की हत्या कर दी। पत्नी के दो बेटियों के साथ छोड़ जाने के बाद से आरोपी अमृतपाल सिंह लगातार परेशानी की हालत में था। आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गया लेकिन बाद में उसने थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दविंदर सिंह मौके पर पहुंचे और शव कब्जे में लिए।

जानकारी के मुताबिक झंडेर निवासी अमृतपाल सिंह एयरपोर्ट पर माल ढुलाई का काम करता था, लेकिन आजकल खाली था। करीब डेढ़ साल पहले उसकी पत्नी शरमजीत कौर अपनी तीन साल और दस साल की बेटियों के साथ उसे छोड़ कर चली गई थी। पत्नी और बेटियों के जाने के बाद से वह मानसिक तनाव में रहने लगा।

बुधवार रात उसने अपनी मां मनरीत कौर, भाभी अवरीत कौर और भतीजे समरथ सिंह पर दातर से वार किया और उन्हें मारकर फरार हो गया। वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस के सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंच गए और मामले की जांच शुरू की।

बताया जा रहा है कि वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी खुद ही थाने में पहुंच गया और सरेंडर कर दिया। एसपी हरिंदर सिंह गिल ने आरोपी के सरेंडर किए जाने की पुष्टि करते हुए बताया कि अमृतपाल को लगता था कि उसे कोई अच्छा नहीं समझता। मानसिक परेशानी में ही उसने अपनी मां, भाभी और भतीजे की हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि आरोपी का बड़ा भाई विदेश में रहता है और उसे वारदात के बारे में जानकारी दे दी गई है। झंडेर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दविंदर सिंह ने बताया कि घर में अमृतपाल अपनी मां, भाभी और भतीजे के साथ ही रहता था। हत्या का केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच की जा रही है।

कलकत्ता HC बोला- संदेशखाली पीड़ितों का 1 प्रतिशत सच भी शर्मनाक

कोर्ट ने कहा- अगर ऐसा है तो पूरा प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी 100प्रतिशत जिम्मेदार

जालंधर(हिमांशु) : संदेशखाली मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को बंगाल सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा, अगर इस मामले में एक परसेंट भी सच्चाई है तो यह शर्मनाक है। पूरा प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसके लिए नैतिक तौर पर 100 प्रतिशत जिम्मेदार है। यह लोगों की सुरक्षा का मामला है।

संदेशखाली के मुख्य आरोपी शाहजहां के खिलाफ 5 जनहित याचिकाओं पर चीफ जस्टिस टीएस शिवज्ञानम और जस्टिस हिरण्मय भट्टाचार्य की बेंच ने सुनवाई की। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं से यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने के आरोपी TMC से निष्कासित नेता शेख शाहजहां को बंगाल पुलिस ने 29 फरवरी को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद पुलिस ने उसे CBI को सौंप दिया था।

हाईकोर्ट ने कहा- यह लोगों की सुरक्षा का मामला

चीफ जस्टिस- मान लीजिए कि एक भी एफिडेविट सही है तो यह शर्मनाक है। पूरा प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसके लिए नैतिक तौर पर 100 फीसदी जिम्मेदार है। यह लोगों की सुरक्षा का मामला है। आप एससी-एसटी नेशनल कमीशन की रिपोर्ट देखेंगे तो उसमें अगर एक फीसदी भी सच है तो ये 100 फीसदी शर्मनाक है। बंगाल महिला सुरक्षा के मामले में NCRB का डेटा दिखाता है। एक अन्य जनहित याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस मामले में गवाहों को सुरक्षा प्रदान की जाए। उन्होंने दावा किया कि सुरक्षा कारणों से कोई भी महिला अदालत में गवाही देने के लिए आगे नहीं आई। एक अन्य याचिकाकर्ता की वकील प्रियंका टिबरेवाल ने कहा, ज्यादातर महिलाएं अनपढ़ हैं। ई-मेल तो भूल जाइए, वो खत भी नहीं लिख सकती हैं। हमारे पास 500 से ज्यादा महिलाओं ने सेक्शुअल असॉल्ट की शिकायत की है। हमारे पास एफिडेविट हैं, जिनमें कहा गया है कि केवल एक शाहजहां गिरफ्तार हुआ है। उसके 1000 साथी गांव में घूम रहे हैं और शाहजहां के खिलाफ बयानबाजी ना करने के लिए धमका रहे हैं। ये लोग कह रहे हैं कि अगर महिलाओं ने बयान दिया तो उनके पति-बच्चों का सिर काटकर फुटबॉल खेलेंगे।

ED का आरोप- राज्य सरकार जांच में सहयोग नहीं कर रही

कोर्ट में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की तरफ से पेश वकील किशोर दत्ता ने केंद्रीय जांच एजेंसियों की जांच के तरीके पर सवाल उठाए। दत्ता ने कहा, अगर कोर्ट आदेश दे तो हम एक जनहित याचिका दायर कर सकते हैं कि पिछले 10 सालों में CBI जांच के क्या नतीजे निकले और उन केसेस का अब तक क्या हुआ। इस मामले में ईडी की ओर से पैरवी कर रहे केंद्र सरकार के डिप्टी सॉलिसिटर जनरल धीरज त्रिवेदी ने राज्य सरकार पर सहयोग न करने का आरोप लगाते हुए पूछा कि ऐसी स्थिति में केंद्रीय एजेंसियां जांच को कैसे आगे बढ़ा सकती हैं।

पुरुषों में तेजी से कम हो रहा है स्पर्म काउंट, स्टडी में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

जालंधर (हर्ष शर्मा) : दुनियाभर में पुरुषों में स्पर्म काउंट अलग-अलग कारणों से लगातार गिर रहा है. ह्यूमन रिप्रोडक्शन अपडेट जर्नल (Human Reproduction Update journal) में पब्लिश एक रिपोर्ट के अनुसार बीते कुछ सालों में पुरुषों के स्पर्म काउंट में जबरदस्त गिरावट देखी गई है.

रिपोर्ट में 1973 से 2018 के बीच किए गए अध्यन के हवाले से कहा गया है कि पुरुषों के स्पर्म की संख्या में 50 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है.

पिछले हफ्ते ह्यूमन रिप्रोडक्शन अपडेट जर्नल में पब्लिश एक स्टडी में पाया गया कि 1973 और 2018 के बीच औसत शुक्राणुओं की संख्या आधी से अधिक घट गई. शोध में यह भी पता चला है कि औसत मानव स्पर्म काउंट में 51.6 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि कुल शुक्राणुओं की संख्या में 62.3 प्रतिशत की गिरावट आई.

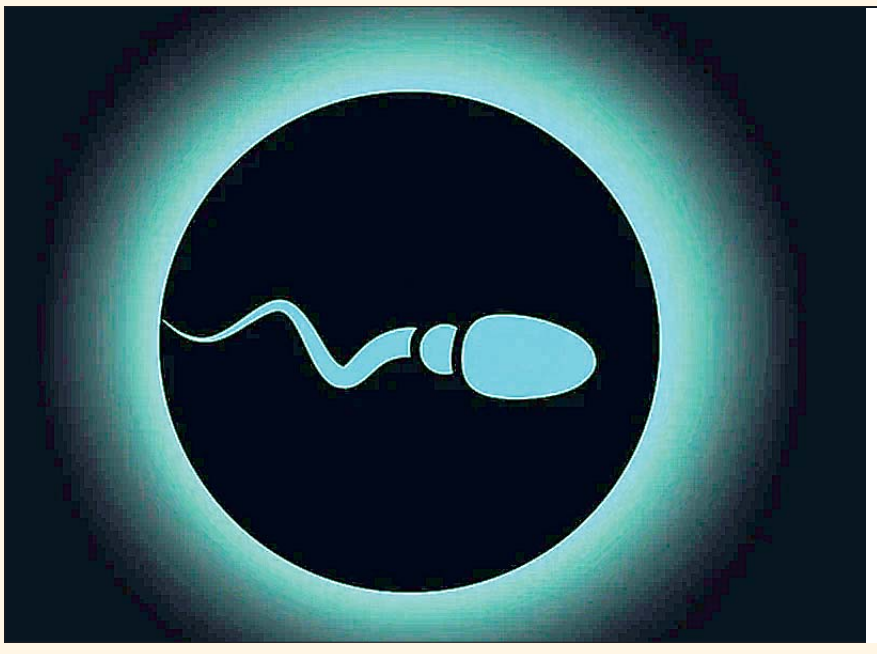

53 देशों के 57,000 पुरुषों पर हुई स्टडी

शोधकर्ताओं द्वारा 1973 और 2018 के बीच प्रकाशित 223 पत्रों का विश्लेषण करने के बाद यह अध्ययन जर्नल में प्रकाशित किया गया था. इस स्टडी में 53 देशों के 57,000 पुरुषों के स्पर्म सैंपल का विश्लेषण किया गया.

अधिक तापमान करता है स्पर्म काउंट को कम

एक अन्य अध्यन में शोधकर्ताओं ने पाया है कि 30 डिग्री से अधिक तापमान के संपर्क में रहने से पुरुषों में शुक्राणुओं की संख्या कम हो जाती है, जिससे यह चिंता बढ़ गई है कि ग्लोबल वार्मिंग दुनिया भर में प्रजनन दर को प्रभावित कर सकती है. सिंगापुर में वैज्ञानिकों ने पाया कि गर्मी में रहने के कारण पुरुषों में शुक्राणुओं की संख्या कम हुई है.

होने वाला है 50 साल का सबसे लंबा पूर्ण सूर्य ग्रहण

दिन में छा जाएगा अंधेरा, क्या होगा भारत पर असर?

जालंधर (जतिन चौहान) : साल 2024 का पहला पूर्ण सूर्य ग्रहण अप्रैल में होने जा रहा है। वैज्ञानिक इसे एक बड़ी खगोलीय घटना मान रहे हैं क्योंकि पूर्ण सूर्य ग्रहण का नजारा कई सालों में एक बार दिखाई देता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, साल में 1 या 2 बार सूर्य ग्रहण की स्थिति बनती है लेकिन पूर्ण सूर्य ग्रहण कई सालों में एक बार होता है। इस बार पूर्ण सूर्य ग्रहण का नजारा अप्रैल 2024 में दिखाई देगा। खास बात ये है कि साल 2024 का पहला सूर्य ग्रहण भी होगा। इसे लेकर जहां वैज्ञानिक उत्साहित हैं, वहीं आमजन भी इसके बारे में जानना चाहते हैं। जानें पूर्ण सूर्य ग्रहण 2024 से जुड़ी रोचक बातें...

साल 2024 का पहला पूर्ण सूर्य ग्रहण 8 अप्रैल, सोमवार को होगा। भारतीय समय के अनुसार, ये सूर्य ग्रहण रात 10 बजकर 08 मिनिट से शुरू होगा, जो देर रात 01 बजकर 25 मिनिट पर समाप्त होगा। यानी इसकी कुल अवधि लगभग 3 घंटे 17 मिनिट की रहेगी। वैज्ञानिकों की मानें तो पिछले 50 साल में इतना लंबा पूर्ण सूर्य ग्रहण नहीं हुआ है। अलग-अलग देशों में सूर्य ग्रहण के दिखने के समय में अंतर रहेगा। किसी देश में ये ग्रहण 1 घंटे ही दिखाई देगा तो कहीं 2 घंटे तक। कुछ देशों में ये ग्रहण कुछ मिनिट्स के लिए ही दिखाई देगा। मुख्य रूप से ये पूर्ण सूर्य ग्रहण कनाडा, अमेरिका, मैक्सिको, जमाइका, नॉर्वे, पनामा आदि देशों में दिखाई देगा।

वैज्ञानिकों के अनुसार, जिस समय ये सूर्य ग्रहण होगा, उस समय भारत में रात हो चुकी होगी, जिसके चलते ये नजारा भारत में कहीं भी दिखाई नहीं देगा। भारत में ग्रहण दिखाई न देने के कारण यहां इसका कोई भी महत्व जैसे सूतक आदि भी मान्य नहीं होगा। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के यूट्यूब चैनल पर इसे लाइव देख सकते हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार, साल में 1-2 बार आंशिक सूर्य ग्रहण होता है। ये आम खगोलीय घटना है, लेकिन पूर्ण सूर्य ग्रहण कई सालों में एक बार होता है। पूर्ण सूर्य ग्रहण तब होता है जब चंद्रमा पृथ्वी के बहुत नजदीक होता है।

ऐसा होने से चंद्रमा का आकार बड़ा दिखाई देता है, जो सूरज को पूरी तरह से ढंक लेता है। इसे ही पूर्ण सूर्य ग्रहण कहते हैं। इसके पहले पूर्ण सूर्य ग्रहण 2017 में हुआ था। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बार का सूर्य ग्रहण 50 साल का सबसे लंबा सूर्य ग्रहण होगा।

S.T HOSPITAL
& Test Tube Baby Centre
Near Football Chowk, Jalandhar.
Mob.: 99154-02525, 0181-5042525
www.sthospital.in

अब हर घर गूँजेंगी खुशियों की किलकारियाँ
IUI | IVF | ICSI
विधियों द्वारा पुरुषों तथा महिलाओं के बाँझपन का उपचार किया जाता है

Dr. Asheesh Kapoor
M.B.B.S., P.G.D.S. (USA)
Fertility & Sex Specialist

Dr. Rimmi Mahajan
M.B.B.S, M.D. (Obs & Gynae)
Fellowship in Rep. Med. (Spain)

हेमा मालिनी पर बयान देकर बुरे फंसे रणदीप सुरजेवाला

पहले बीजेपी का हमला और अब महिला आयोग का चला डंडा

जालंधर(हर्ष शर्मा) : हेमा मालिनी पर बयान देकर रणदीप सुरजेवाला बुरी तरह फंस गए हैं। विपक्ष हमलावर हुआ तो स्पष्टीकरण भी दिया। लेकिन तब तक कमान से तीर निकल चुका था और महिला आयोग ने स्वत: संज्ञान लेते हुए उन्हें तलब किया है।

समन जारी किया है। जिसमें 9 अप्रैल तक उन्हें हाजिर होने की ताकीद की है। महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने नोटिस भेजा है।

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला का एक वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें वो किसी चुनावी सभा में उत्तर प्रदेश के मथुरा से भाजपा सांसद हेमा मालिनी को लेकर बेहद आपत्तिजनक बयान दे रहे हैं। उन्होंने लोगों से सवाल करते हुए अभद्र टिप्पणी की। इसी पर हरियाणा के महिला आयोग ने एक्शन लिया है। आयोग ने रणदीप सुरजेवाला को समन जारी करते हुए जवाब तलब किया। आयोग ने सुरजेवाला को 9 अप्रैल को सुबह साढ़े 10 बजे पंचकूला के सेक्टर-4 स्थित दफ्तर में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण देने को कहा है।

महिला आयोग ने भेजा नोटिस

क्या लिखा है नोटिस में!

नोटिस में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान सिंह का भी नाम है।

उनसे भी पूछा गया है कि पार्टी की तरफ से क्या कार्रवाई अमल में लाई गई है।

लिखा है कि रणदीप सुरजेवाला ने हेमा मालिनी (कलाकार) के लिए अभद्र भाषा व टिप्पणी की है, जोकि एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला और अशोभनीय है।

बीजेपी हमलावर

बीजेपी ने सुरजेवाला के बयान को अपमानजनक और शर्मसार करने वाला बताया है। शहजाद पूनावाला से लेकर तमाम दिग्गजों ने इस पर आपत्ति जताई। वहीं भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने यह भी कहा था कि सुरजेवाला की टिप्पणी से पता चलता है कि प्रमुख विपक्षी पार्टी महिलाओं से नफरत करती है। सुरजेवाला ने अपने भाषण का वीडियो सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा करते हुए कहा, 'भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ को काट- छांट, तोड़-मरोड़ करने, फ़ज़ी-झूठी बातें फैलाने की आदत बन गई है, ताकि वह रोज़ मोदी सरकार की युवा विरोधी, किसान विरोधी, गरीब विरोधी नीतियों-विफलताओं व भारत के संविधान को ख़त्म करने की साज़िश से देशवासियों का ध्यान भटका सके।

क्या था सुरजेवाला का बयान?

उनके मुताबिक, 'मेरा बयान केवल इतना था कि सार्वजनिक जीवन में सभी की जनता के प्रति जवाबदेही तय होनी चाहिए, चाहे वह नायब सैनी जी हों, या खट्टर जी या मैं खुद।

सब अपने काम के दम पर बनते-बिगड़ते हैं, जनता सर्वोपरि है, और चुनाव में उसे अपने विवेक का इस्तेमाल कर चयन करना होता है।

दिया स्पष्टीकरण

सुरजेवाला ने कहा, 'न तो मेरी मंशा हेमा मालिनी जी के अपमान की थी और न ही किसी को आहत करने की। इसीलिए मैंने साफ़ कहा कि हम हेमामालिनी जी का सम्मान करते हैं और वह हमारी बहू हैं।'

उन्होंने आरोप लगाया, 'भाजपा खुद महिला-विरोधी है, इसीलिए वह सब कुछ महिला-विरोध के चश्मे से देखती-समझती है, और अपनी सहूलियत के अनुसार झूठ फैलाती है।

सिद्धू मूसेवाला के पिता लड़ेंगे लोकसभा चुनाव, कांग्रेस ने मनाया; इस सीट पर दिलचस्प मुकाबला

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : पंजाब में दो खूंखार गैंगों के बीच फंसकर जान गंवाने वाले लोकप्रिय पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के पिता राजनीति में उतरेंगे। चर्चा है कि वह कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा में उतरने जा रहे हैं।

इससे पहले कई बार राजनीति में न आने की बात कहने वाले बलकौर सिंह को अब कांग्रेस ने चुनाव लड़ने के लिए मना लिया है। कांग्रेस उन्हें बठिंडा सीट से चुनावी मैदान में उतार सकती है। दो महीने पहले सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने राजनीति में आने के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था कि हम राजनीति क्यों न करें। उन्होंने पूर्व सीएम बेअंत सिंह की हत्या का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके पोते ने सांसद बनने के बाद कातिलों को सजा दिलाई।

बलकौर सिंह ने रवनीत सिंह बिट्टू का उदाहरण देते हुए कहा था कि ऐसे में अगर वह भी न्याय के लिए ऐसा करते हैं तो इसमें कोई गलत बात नहीं। रवनीत सिंह बिट्टू सूबे के पूर्व सीएम बेअंत सिंह के पोते हैं और लुधियाना से सांसद रहे हैं। अब उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया है और उसके टिकट पर ही इस बार मैदान में उतरे हैं। बलकौर सिंह को कांग्रेस लोकसभा के लिए पहले ही ऑफर कर चुकी है, लेकिन तब उन्होंने राजनीति में आने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि वह मूसेवाला के प्रशंसकों से बातचीत करेंगे।

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग पहले कह चुके हैं कि अगर बलकौर सिंह चुनाव लड़ना चाहते हैं तो कांग्रेस उन्हें टिकट देने को तैयार है। सिद्धू मूसेवाला ने खुद 2022 में कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ा था, हालांकि वह चुनाव हार गए थे। कांग्रेस अगर बलकौर सिंह को लोकसभा चुनाव के लिए बठिंडा से मैदान में उतारती है तो यहां मुकाबला दिलचस्प हो जाएगा।

बठिंडा अकाली दल का गढ़ है और यहां से हरसिमरत कौर बादल सांसद हैं। अकाली दल इस बार भी उन्हीं को टिकट देगा। इस सीट पर भाजपा अकाली नेता सिकन्दर सिंह मलूका की पुत्र वधू परमपाल कौर को टिकट दे सकती है। परमपाल कौर आईएएस हैं और उन्होंने कल ही अपने पद से इस्तीफा दिया है।

तिहाड़ से निकलते ही संजय सिंह ने उड़ाई नियमों की धज्जियां? क्या ईडी की शर्त को किया तार-तार

जालंधर (हिमांशु) : आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह तिहाड़ जेल से रिहा हो चुके हैं। संजय सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में जमानत दी थी लेकिन कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं होने के चलते संजय सिंह की रिहाई बुधवार शाम को हो पाई।

संजय सिंह ने जेल से बाहर आते ही आप कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ये संघर्ष का समय है और अभी हार नहीं मानना है। हमारा नेता जेल में है और जल्द ही जेल का ताला टूटेगा और हमारा नेता छूटेगा।

संजय सिंह के इस तरह से कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद यह सवाल उठ रहा है कि क्या उन्होंने ईडी की शर्त की धज्जियां उड़ा दी हैं।

कोर्ट ने क्या रखी थी शर्त

दरअसल संजय सिंह को कोर्ट ने जमानत देने से पहले शर्त के साथ रिहा किया था जिसके अनुसार संजय सिंह को दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में जांच कर रहे अधिकारी को अपना मोबाइल नंबर उपलब्ध कराना होगा और उन्हें जांच में सहयोग करना होगा। कोर्ट की शर्तों के अनुसार शराब नीति मामले में वह अपनी भूमिका को लेकर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

कोर्ट की शर्तों के अनुसार अगर वह दिल्ली से कहीं बाहर जाते हैं तो इसकी जानकारी जांच अधिकारी के साथ शेयर करेंगे और अपनी लोकेशन शेयरिंग भी ऑन रखेंगे. इसके अलावा कोर्ट ने उन्हें पासपोर्ट सरेंडर करने के लिए भी कहा था।

क्या संजय सिंह ने नियमों का किया उल्लंघन

कोर्ट के नियमों के अनुसार संजय सिंह को शराब घोटाले में अपनी भूमिका को लेकर मीडिया से कोई बातचीत नहीं करनी है।जबकि संजय सिंह ने जमानत मिलने के साथ अपने पार्टी के नेता के बारे में बात की और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।ऐसे में उन्होंने कोर्ट की शर्त को नहीं तोड़ा है।

वहीं संजय सिंह की रिहाई के बाद आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया और इस दौरान नारे भी लगाए. कार्यकर्ताओं ने 'जेल के ताले टूटेंगे, सारे नेता छूटेंगे' और 'जेल के ताले टूट गए, सारे नेता छूट गए' के नारे लगाते नजर आए।

जमानत का मतलब अपराध मुक्त होना नहीं'

संजय सिंह की रिहाई के बाद बीजेपी की प्रतिक्रिया सामने आई है. बीजेपी ने कहा कि भ्रष्टाचारी नेता के बाहर आने पर जश्न मनाया जा रहा है. जमानत पर बाहर आने का मतलब अपराध मुक्त होना नहीं है. जमानत मिलती है तो खत्म भी होती है. बीजेपी ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी के चरित्र में मक्कारी है।